समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

# जापान का अगला नेता हो सकता है देश की पहली महिला या आधुनिक युग का सबसे युवा प्रधानमंत्री

Sanket Morankar Published on 03 Oct 2025

जापान में शनिवार को होने वाले लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) के चुनाव के बाद देश को संभवतः पहला महिला प्रधानमंत्री या आधुनिक युग का सबसे युवा प्रधानमंत्री मिल सकता है। यह चुनाव जापान के राजनीतिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित होगा।

इस चुनाव में दो मुख्य उम्मीदवार हैं—64 वर्षीय कंज़र्वेटिव और राष्ट्रवादी सनाए ताकाइची और 44 वर्षीय मध्यमार्गी शिंजीरो कोइज़ुमी।

सनाए ताकाइची जापान की राजनीति में एक सशक्त महिला नेता के रूप में जानी जाती हैं, जिन्होंने अपने कड़े रुख और राष्ट्रीय सुरक्षा नीतियों के लिए प्रसिद्धि पाई है। दूसरी ओर, शिंजीरो कोइज़ुमी अपने आधुनिक और उदार विचारों के कारण युवाओं और मध्यम वर्ग के बीच लोकप्रिय हैं।

अगर सनाए ताकाइची विजयी होती हैं, तो वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री बन जाएंगी, जो देश के लिए एक ऐतिहासिक क्षण होगा। जापान में अब तक महिलाओं का राजनीतिक प्रतिनिधित्व सीमित रहा है, और यह चुनाव लैंगिक समानता की दिशा में एक बड़ा कदम माना जाएगा।

शिंजीरो कोइज़ुमी के जीतने की स्थिति में वह जापान के आधुनिक इतिहास के सबसे युवा प्रधानमंत्री होंगे। उनकी युवा ऊर्जा और प्रगतिशील नीतियां देश को आर्थिक और सामाजिक सुधारों की नई राह दिखा सकती हैं।

जापान पिछले कुछ दशकों से आर्थिक मंदी, जनसंख्या में गिरावट और वैश्विक प्रतिस्पर्धा जैसे कई गंभीर संकटों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में नया नेतृत्व देश को नयी दिशा देने की उम्मीद जगाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि या तो महिला नेतृत्व या युवा नेतृत्व जापान की राजनीति में सकारात्मक बदलाव ला सकता है।

देशभर में मतदाता इस चुनाव को लेकर उत्सुक हैं। युवा मतदाताओं और महिलाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है। राजनीतिक दल भी इस बदलाव का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे देश की राजनीतिक प्रणाली अधिक समावेशी और प्रगतिशील बनेगी।

जापान एशिया की प्रमुख अर्थव्यवस्था है और उसका वैश्विक मंच पर विशेष स्थान है। नए नेतृत्व के साथ जापान अपनी विदेश नीति, आर्थिक सुधार और तकनीकी नवाचारों को और बेहतर बनाने की दिशा में कदम बढ़ा सकता है।

जापान का यह चुनाव न केवल देश के लिए बल्कि पूरे एशिया और वैश्विक स्तर पर भी एक महत्वपूर्ण घटना होगी। पहली महिला या सबसे युवा प्रधानमंत्री की संभावनाओं के बीच, जापान अपने राजनीतिक भविष्य के लिए एक नई दिशा चुनने जा रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.